जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

ग्राम – मदाऊ, पोस्ट – भांकरोटा, जयपुर – 302026

शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम में संशोधन

विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर सत्र 2015–17 हेतु द्वि–वर्षीय शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम उपलब्ध है। इस द्वि–वर्षीय शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम में सत्र 2017–18 में प्रविष्ठ होने वाले छात्रों हेतु निम्नानुसार संशोधन किया जाता है। सत्र 2015–17 में प्रविष्ठ छात्रों का पाठ्यक्रम पूर्ववत् रहेगा।

(अ) पाठ्यक्रम से निरस्त करने वाले प्रश्न पत्र–

क्र.सं.	प्रश्न पत्र संख्या	प्रश्न पत्र का नाम	पूर्णांक
1	112	शिक्षा का दार्शनिक एवं सामाजिक परिप्रेक्ष्य	100
2	114	विद्यालय प्रबंधन एवं नेतृत्व	100
3	115	शिक्षा अधिगम की तकनीकी	50
4	116	शिक्षा में क्रियात्मक अनुसंधान	50
5		विद्यालय गतिविधियों को दो वर्ष में 200 अंकों के स्थान पर प्रत्येक वर्ष में 50–50 के अनुसार कुल 100 अंक करने की संस्तुति की गई। नोट–प्रत्येक वर्ष में 25 अंक बाह्य परीक्षक द्वारा एवं 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन के होंगे।	50x2=100
कुल योग			400

उपरोक्त में क्रं. सं. 01 से 04 तक उल्लेखित प्रश्न पत्र जो द्वि–वर्षीय शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम में हटाने हैं, वे शिक्षाशास्त्री प्रथम वर्ष सत्र 2017–2018 एवं शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष सत्र 2018–2019 से प्रभावी होगा।

द्वि–वर्षीय शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष के सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र, मूल्यांकन विधि एवं कुल अंक निम्नानुसार होगे–

प्रथम वर्ष शिक्षाशास्त्री –सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र

क्र.सं.	प्रश्न पत्र कोड संख्या	प्रश्न पत्र का नाम	बाह्य मूल्यांकन	आन्तरिक मूल्यांकन	पूर्णांक
1	SS101	बाल्यावस्था एवं विकास प्रक्रिया	80	20	100
2	SS 102	समसामयिक भारत एवं शिक्षा	80	20	100
3	SS 103	अधिगम एवं शिक्षण प्रक्रिया	80	20	100
4	SS 104	भाषा एवं पाठ्यक्रम	40	10	50
5	SS 105	अध्ययन क्षेत्र एवं विषय अवबोध	40	10	50
6	SS 113	संस्कृत शिक्षण (अनिवार्य)	80	20	100
कुल योग			400	100	500

प्रायोगिक गतिविधियॉं

क्र.सं.	प्रश्न पत्र संख्या	प्रश्न पत्र का नाम	बाह्य मूल्यांकन	आन्तरिक मूल्यांकन	पूर्णांक
1	विद्यालय सम्बद्धता	शिक्षण अभ्यास (संस्कृत शिक्षण विषय)	125	125	250
2		विद्यालय गतिविधियॉं	25	25	50
3	ईपीसी	ईपीसी–1 (अ) संस्कृत संभाषण कौशल विकास (ब) पाठ्यवस्तु पठन एवं चिन्तन (ध्येय बिन्दुओं से संबंद्ध) ईपीसी–2 शिक्षा में नाट्य एवं कला (शैक्षिक गतिविधियॉं)	 10 10 25	 15 15 25	 25 25 योग 50 50
कुल योग					400

प्रथम वर्ष में सैद्धान्तिक प्रश्न पत्रों का कुल अंक 500 एवं प्रायोगिक गतिविधियों का कुल अंक 400 होगा। इस प्रकार प्रथम वर्ष में कुल पूर्णांक 900 होगें।

द्वि–वर्षीय शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष के सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र, मूल्यांकन विधि एवं कुल अंक निम्नानुसार होगे–

द्वितीय वर्ष शिक्षाशास्त्री –सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र

क्र.सं.	प्रश्न पत्र संख्या	प्रश्न पत्र का नाम	बाह्य मूल्यांकन	आन्तरिक मूल्यांकन	पूर्णांक
1	SS 106	जेन्डर, विद्यालय एवं समाज	40	10	50
2	SS 107	विद्यालय, विषय शिक्षण	80	20	100
3	SS 108	ज्ञान एवं पाठ्यक्रम	80	20	100
4	SS 109	अधिगम आकलन	80	20	100
5	SS 110	समावेशी शिक्षा	40	10	50
6	SS 111	विशिष्ठ ऐच्छिक विषय	80	20	100
कुल योग					500

प्रायोगिक गतिविधियॉं

क्र.सं.	प्रश्न पत्र संख्या	प्रश्न पत्र का नाम	बाह्य मूल्यांकन	आन्तरिक मूल्यांकन	पूर्णांक
1	विद्यालय सम्बद्धता	शिक्षण अभ्यास (आधुनिक शिक्षण विषय)	125	125	250
2		विद्यालय गतिविधियॉं	25	25	50
3	ईपीसी	ईपीसी–3 सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी का	25 (प्रायोगिक)	25	50

		अवबोध ईपीसी–4 (अ) छात्र, व्यक्तित्व अवबोध (ब) आत्मबोध	 10 10	 15 15	 25 25
कुल योग					400

द्वितीय वर्ष में सैद्धान्तिक प्रश्न पत्रों का कुल अंक 500 एवं प्रायोगिक गतिविधियों का कुल अंक 400 होगा। इस प्रकार प्रथम वर्ष में कुल पूर्णांक 900 होगें।

इस प्रकार द्वि–वर्षीय शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम सत्र 2017–18 में प्रविष्ठ छात्रों के दो वर्ष में कुल पूर्णांक 2200 में से 400 अंक घटाने के उपरान्त 1800 होगें।

16/8/17

(डॉ. के.साम्बशिव मूर्ति)
संकायाध्यक्ष, शिक्षा